



Ronak khandelwal



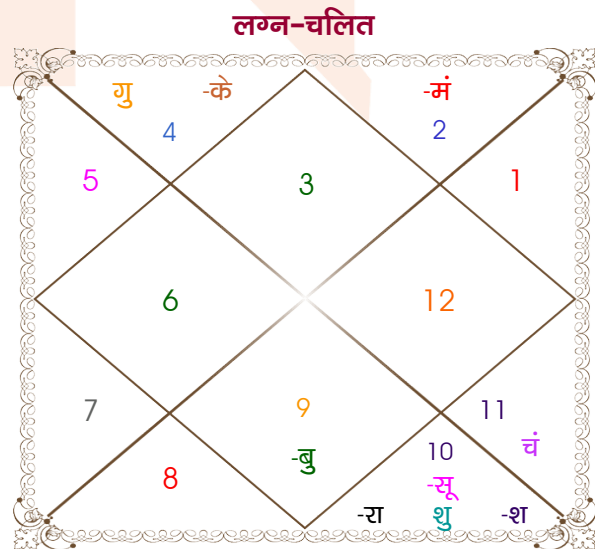
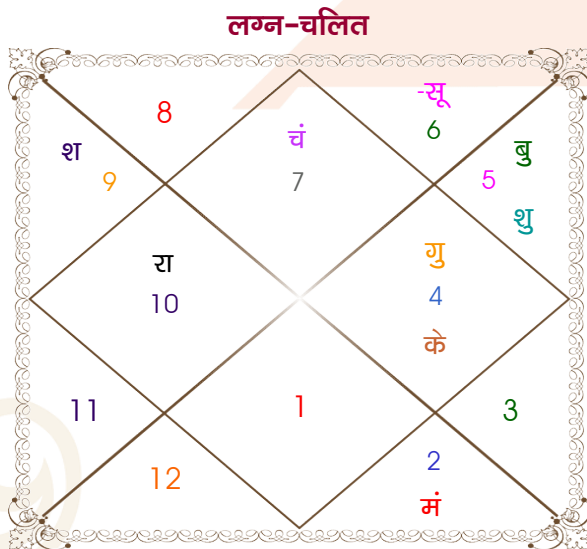
Seema sahu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121884603

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 22/09/1990 : _____ जन्म तिथि _____ : 19/01/1991
 शनिवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 09:48:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:10:00 घंटे
 घटी 08:21:01 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 24:47:19 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Mumbai : _____ स्थान _____ : Durg
 18:58:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 21:12:00 उत्तर
 72:50:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 81:20:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:38:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:04:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:27:35 : _____ सूर्योदय _____ : 06:44:49
 18:35:09 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:45:50
 23:43:53 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:44:12

विंशोत्तरी राहु 11वर्ष 6मा 8दि शनि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 6वर्ष 11मा 16दि शनि	
		21:04:46	तुला	लग्न	मिथु	28:04:42		
		05:10:59	कन्या	सूर्य	मकर	05:09:20		
		11:27:50	तुला	चंद्र	कुंभ	14:50:35		
		15:31:26	वृष	मंगल	वृष	05:56:00		
शनि	04/04/2021	17:35:01	सिंह	बुध	धनु	12:01:16	शनि	08/01/2017
बुध	13/12/2023	13:05:53	कर्क	गुरु व	कर्क	16:06:36	बुध	18/09/2019
केतु	21/01/2025	24:39:13	सिंह	शुक्र	मकर	24:08:15	केतु	27/10/2020
शुक्र	22/03/2028	24:58:26	धनु व	शनि	मकर	04:06:33	शुक्र	27/12/2023
सूर्य	04/03/2029	12:05:05	मकर व	राहु व	मकर	04:17:14	सूर्य	08/12/2024
चन्द्र	04/10/2030	12:05:05	कर्क व	केतु व	कर्क	04:17:14	चन्द्र	10/07/2026
मंगल	12/11/2031	11:53:33	धनु	हर्ष	धनु	17:05:16	मंगल	19/08/2027
राहु	18/09/2034	18:04:01	धनु व	नेप	धनु	21:04:37	राहु	25/06/2030
गुरु	01/04/2037	22:09:40	तुला	प्लूटो	तुला	26:18:21	गुरु	05/01/2033



Mahamaya Jyotish Karyalaya

Astrologer Suman Acharya
 Professor colony Raipur CG
 Member All India Federation Of Astrologers Society
 9827401035
 astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	अश्व	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ronak khandelwal का वर्ग मृग है तथा Seema sahu का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ronak khandelwal और Seema sahu का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Ronak khandelwal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Seema sahu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Seema sahu कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

Mahamaya Jyotish Karyalaya

Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

क्योंकि राहु Seema sahu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लगने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।।**

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Seema sahu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ronak khandelwal कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ronak khandelwal तथा Seema sahu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।